Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

भारत–फ्रांस सम्बन्धों का अध्ययन : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

डॉ0 अमित मेहता
सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान विभाग), किशनलाल पब्लिक कॉलेज, रेवाडी
मो0 नं0 9899374716
Email: amitmehta0301@gmail.com

शोध सारः– भारत और फ्रांस के संबंध समय के साथ अत्यंत मजबूत और बहुआयामी बने हैं। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी 1998 में स्थापित हुई, जो रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, व्यापार, समुद्री सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में निरंतर विकसित हो रही है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में फ्रांस भारत का एक महत्वपूर्ण रक्षा सहयोगी है, जिसके अंतर्गत राफेल विमानों तथा अन्य सैन्य परियोजनाओं पर सहयोग किया गया है। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश स्वतंत्र, सुरक्षित और नियम–आधारित व्यवस्था के पक्षधर हैं। आर्थिक क्षेत्र में व्यापार और निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं, जबकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान भी संबंधों को नई दिशा दे रहे हैं। वैश्विक मंचों पर दोनों देश बहुपक्षवाद, आतंकवाद–निरोध और सतत विकास के मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। इस प्रकार भारत–फ्रांस संबंध वर्तमान समय में परस्पर विश्वास, साझा हितों और वैश्विक सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

मुख्य शब्दः– रणनीतिक साझेदारी, सामरिक, बहुध्रुवीय व्यवस्था, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमता।

प्रस्तावनाः–

भारत और फ्रांस के संबंध स्वतंत्र भारत की विदेश नीति के सबसे स्थिर और विश्वसनीय द्विपक्षीय संबंधों में गिने जाते हैं। वर्ष 1998 में दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी (Strategic Partnership) स्थापित की थी, जो भारत की पहली ऐसी साझेदारी थी। वर्तमान में यह संबंध रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, हिंद–प्रशांत (Indo-Pacific), प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन तथा वैश्विक शासन जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत हो चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों ने अपने संबंधों को और उन्नत करते हुए "Special Global Strategic Partnership का स्वरूप दिया है।

भारत–फ्रांस संबंधों का ऐतिहासिक विकास

- भारत और फ्रांस के बीच राजनयिक संबंध 1947 में स्थापित हुए।
- 1998 में दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की।
- फ्रांस उन कुछ पश्चिमी देशों में शामिल रहा है जिसने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का सम्मान किया।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

- दोनों देश बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था (Multipolar World Order) के समर्थक हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रमुख सहयोग क्षेत्र

1. **रक्षा एवं सुरक्षा सहयोगः–** भारत–फ्रांस संबंधों का सबसे मजबूत स्तंभ रक्षा सहयोग है।

   मुख्य उपलब्धियाँः

   - भारत द्वारा राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद।
   - भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल–एम विमानों का समझौता।
   - स्कॉर्पीन पनडुब्बी परियोजना के अंतर्गत सहयोग।
   - संयुक्त सैन्य अभ्यासः
     - Garuda Exercise (वायु सेना)
     - Varuna Exercise (नौसेना)
     - Shakti Exercise (थल सेना)

फ्रांस भारत को केवल हथियार विक्रेता के रूप में नहीं बल्कि सह–उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साझेदार के रूप में देखता है।

2. **हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सहयोगः–**

   - दोनों देशों की हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
   - समुद्री सुरक्षा, समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता तथा नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने में सहयोग।
   - फ्रांस के हिंद महासागर में कई क्षेत्रीय हित हैं, जिससे भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होती है।

3. **अंतरिक्ष सहयोगः–** भारत की ISRO और CNES के बीच दीर्घकालिक सहयोग रहा है।

   मुख्य क्षेत्रः

   - उपग्रह प्रक्षेपण
   - पृथ्वी अवलोकन
   - समुद्री निगरानी
   - अंतरिक्ष सुरक्षा

   फ्रांस भारत का सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष साझेदार माना जाता है।

4. **परमाणु ऊर्जा सहयोगः–**

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

- महाराष्ट्र में स्थित जैतापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना भारत–फ्रांस परमाणु सहयोग का प्रमुख उदाहरण है।
- स्वच्छ ऊर्जा एवं ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है।

5. **आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध**

- दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है।
- एयरोस्पेस, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, परिवहन तथा विनिर्माण क्षेत्र में फ्रांसीसी निवेश बढ़ रहा है।
- फ्रांस भारत के प्रमुख यूरोपीय व्यापारिक साझेदारों में शामिल है।

6. **विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचारः–** हाल के वर्षों में दोनों देशों ने –

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
- साइबर सुरक्षा
- क्वांटम तकनीक
- स्टार्टअप सहयोग
- डिजिटल नवाचार

जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। 2026 को भारत–फ्रांस भ्प्ददवअंजपवद ल्मंत के रूप में भी आगे बढ़ाया गया।

7. **वैश्विक मंचों पर सहयोगः–** दोनों देश निम्न मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं।

- संयुक्त राष्ट्र सुधार
- आतंकवाद विरोध
- जलवायु परिवर्तन
- समुद्री सुरक्षा
- बहुपक्षवाद (Multilateralism)

फ्रांस लगातार भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करता रहा है।

चुनौतियाँः– यद्यपि संबंध अत्यंत मजबूत हैं, फिर भी कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैंः

1. रक्षा सौदों की उच्च लागत।
2. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से जुड़े मुद्दे।
3. व्यापारिक अवरोध एवं बाजार पहुँच संबंधी समस्याएँ।
4. यूरोपीय संघ की कुछ नियामकीय नीतियों का भारतीय निर्यात पर प्रभाव।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

5. वैश्विक भू–राजनीतिक परिवर्तनों के कारण नई रणनीतिक चुनौतियाँ।

भविष्य की संभावनाएँ

- रक्षा उत्पादन में संयुक्त विनिर्माण।
- हिंद–प्रशांत क्षेत्र में गहरा रणनीतिक सहयोग।
- हरित ऊर्जा एवं जलवायु कार्रवाई।
- ।प्ए सेमीकंडक्टर और उभरती प्रौद्योगिकियाँ।
- अंतरिक्ष एवं समुद्री सुरक्षा सहयोग।
- भारत–यूरोप आर्थिक संपर्क को मजबूत करना।

निष्कर्षः–

भारत–फ्रांस संबंध आज केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और हिंद–प्रशांत सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार बन चुके हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दोनों देशों के संबंध ''विश्वसनीय साझेदारी'', ''रणनीतिक स्वायत्तता'' और ''प्रौद्योगिकी आधारित सहयोग'' के नए आयामों की ओर अग्रसर हैं। इसलिए भारत–फ्रांस संबंध 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में से एक माने जा सकते हैं। वर्तमान में ''होराइजन 2047'' रोडमैप दोनों के रिश्तों को मजबूती देगा।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. France and India International Relation, Wikipedia.
2. Drishti IAS
3. Ministry of External Affairs (India)
4. "India and France sign 16 agreements, PM Modi hails growing friendship." Times of India Article
5. PMO India Website